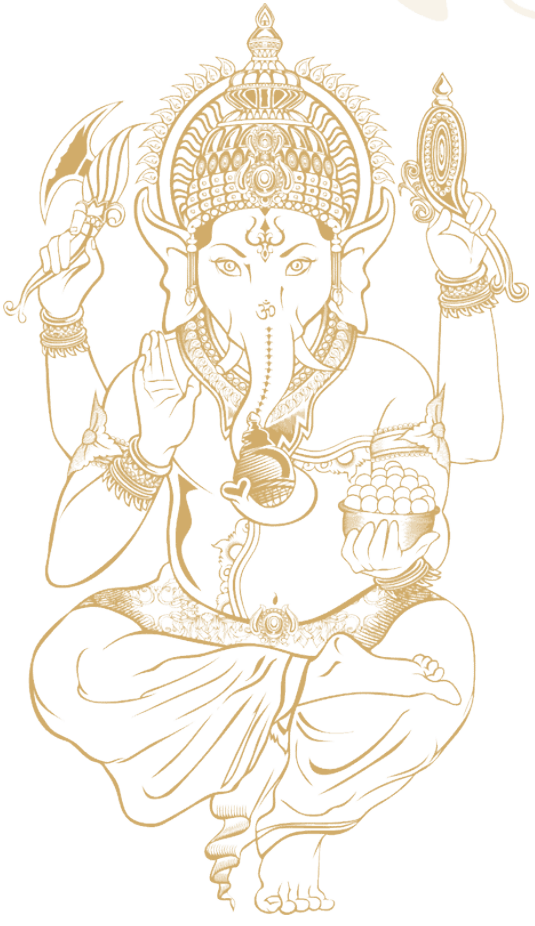

Mr.vijay

05 May 1997

08:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119533702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/05/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**20:20:00 घंटे**
इष्ट	36:46:15 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:58:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:19 घंटे
साम्पातिक काल	10:52:55 घंटे
सूर्योदय	05:37:30 घंटे
सूर्यास्त	18:58:38 घंटे
दिनमान	13:21:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:19:21 मेष
लग्न के अंश	09:27:27 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	09:27:27	307:58:01	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मेष	21:19:21	00:58:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	04:50:54	14:17:18	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	23:17:14	00:05:34	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	मेष	06:02:17	00:14:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मक	26:11:42	00:06:18	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मेष	29:53:48	01:13:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि			मीन	20:46:13	00:06:51	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	04:05:08	00:04:17	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	04:05:08	00:04:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:49:50	00:00:23	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	06:08:06	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:56:28	00:01:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	17:59:57	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:09

लग्न-चलित

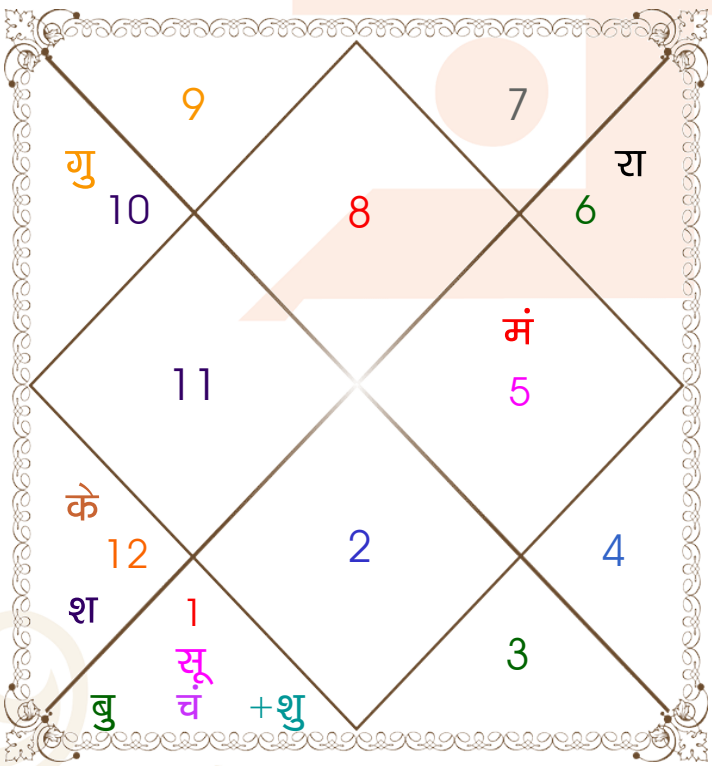

चन्द्र कुंडली

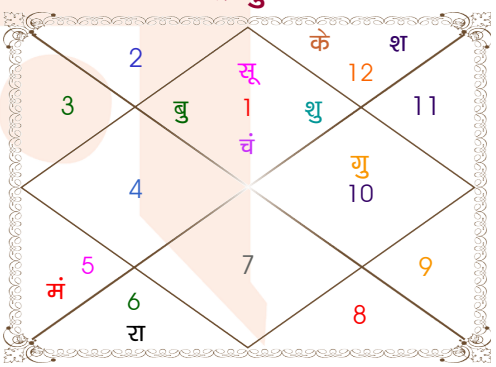

नवमांश कुंडली

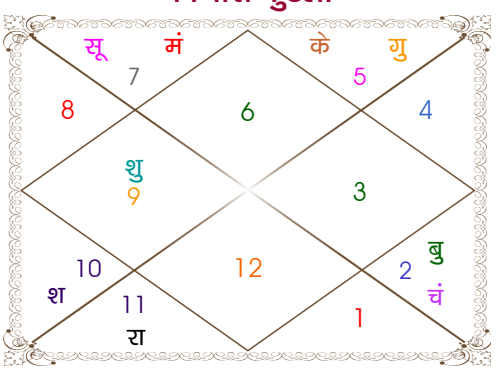

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 5 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/05/1997		18/10/2001		18/10/2021		19/10/2027		18/10/2037	
18/10/2001		18/10/2021		19/10/2027		18/10/2037		18/10/2044	
	00/00/0000	शुक्र	17/02/2005	सूर्य	05/02/2022	चंद्र	18/08/2028	मंगल	17/03/2038
	00/00/0000	सूर्य	17/02/2006	चंद्र	07/08/2022	मंगल	19/03/2029	राहु	04/04/2039
	00/00/0000	चंद्र	19/10/2007	मंगल	12/12/2022	राहु	18/09/2030	गुरु	10/03/2040
	05/05/1997	मंगल	18/12/2008	राहु	06/11/2023	गुरु	18/01/2032	शनि	19/04/2041
मंगल	18/09/1997	राहु	19/12/2011	गुरु	24/08/2024	शनि	19/08/2033	बुध	16/04/2042
राहु	06/10/1998	गुरु	19/08/2014	शनि	06/08/2025	बुध	18/01/2035	केतु	12/09/2042
गुरु	12/09/1999	शनि	18/10/2017	बुध	13/06/2026	केतु	19/08/2035	शुक्र	12/11/2043
शनि	21/10/2000	बुध	18/08/2020	केतु	19/10/2026	शुक्र	19/04/2037	सूर्य	19/03/2044
बुध	18/10/2001	केतु	18/10/2021	शुक्र	19/10/2027	सूर्य	18/10/2037	चंद्र	18/10/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/10/2044		19/10/2062		19/10/2078		18/10/2097		20/10/2114	
19/10/2062		19/10/2078		18/10/2097		20/10/2114		00/00/0000	
राहु	01/07/2047	गुरु	06/12/2064	शनि	21/10/2081	बुध	17/03/2100	केतु	18/03/2115
गुरु	24/11/2049	शनि	19/06/2067	बुध	01/07/2084	केतु	14/03/2101	शुक्र	17/05/2116
शनि	30/09/2052	बुध	24/09/2069	केतु	09/08/2085	शुक्र	13/01/2104	सूर्य	22/09/2116
बुध	19/04/2055	केतु	31/08/2070	शुक्र	09/10/2088	सूर्य	19/11/2104	चंद्र	23/04/2117
केतु	07/05/2056	शुक्र	01/05/2073	सूर्य	21/09/2089	चंद्र	20/04/2106	मंगल	06/05/2117
शुक्र	08/05/2059	सूर्य	17/02/2074	चंद्र	22/04/2091	मंगल	17/04/2107		00/00/0000
सूर्य	31/03/2060	चंद्र	19/06/2075	मंगल	31/05/2092	राहु	04/11/2109		00/00/0000
चंद्र	30/09/2061	मंगल	25/05/2076	राहु	07/04/2095	गुरु	10/02/2112		00/00/0000
मंगल	19/10/2062	राहु	19/10/2078	गुरु	18/10/2097	शनि	20/10/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्या राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। यह नक्षत्रीय समन्वयन इसका सूचक है कि आप वैदेशिक यात्रा करेंगे। यदि आप अपने कार्य कुशलता को समुचित रूप से प्रस्तुत किया तो ऐसी आशा है कि आपको विदेश में पुनर्वासित होने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। सामान्यतया यह अस्थिरता का प्रतीक है कि आप अनेको बार वैदेशिक भ्रमण करेंगे क्योंकि आपमें अत्यंत ही भ्रमण करने की लालशा विद्य मान है।

आपका जनसामान्य के साथ अपरिवर्तनीय कपट पूर्ण व्यवहार होता रहेगा। आप प्रसन्नचित मुद्रा में अति मधुर भाषा में महत्वपूर्ण बाते करेंगे। आप सदैव विभिन्न प्रकार से अनेक मनोदशा से युक्त हृदय को संतुष्ट करने वाली बातें करेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के साथ व्यवसायिक व्यवहार से ऊपर उठने अर्थात् उन्नति करने के उद्देश्य से बात करने के पश्चात यह महसूस करते हैं।

आप अपनी व्यवसायिक उन्नति एवं अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किसी भी प्रकार का आचरण कर किसी भी हद तक जा सकते हैं।

आप सांसारिक सुखों की प्राप्ति एवं प्रसन्नता हेतु अच्छी प्रकार से विज्ञ हैं। आप अपने लाभदायक उपलब्धि हेतु तथा धन संचय हेतु अपने संबंधित व्यक्तियों को व्यवहार में लाएंगे। एक बार यदि धन प्राप्ति में सफल हो गए तो पुनः अपने संबंधी अथवा मित्रों को किसी भी प्रकार से सहायता करने में कोई अनिच्छा नहीं दिखाएंगे।

व्यवसायों में आपके लिए अनुकूल पेशा फिल्म अभिनेता, माइनिंग अभियंत्रिकी का पद उत्तम एवं लाभप्रद होगा। आप कृषि कार्य, कृषि उत्पादन एवं तेल इंजिन आदि का व्यवसाय करेंगे।

आप सदैव अपने परिवार की अच्छी सेवा किस तरह से किया जाए। ऐसा चिंतन करते हैं। आप किसी भी प्रकार की दुर्भावनाओं को त्याग कर अनेक प्रकार से अतिरिक्त समय निकाल कर अपने पारिवारिक सदस्यों की प्रसन्नता देना ही अपना लक्ष्य समझेंगे। आप एक समझदार, सहायक पत्नी एवं उदीयमान संतान को प्राप्त करने के संबंध में भाग्यशाली हैं। यदि आप अपने लिए जीवन संगिनी का चयन करना चाहें तो जिस जातक का जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, मकर, वृष तथा कन्या राशि में हुआ हों उनके साथ आपका सामंजस्य पूर्ण जीवन व्यतीत हो सकता हैं।

आप परिष्कृत ढंग से किसी भी प्रकार की कपटपूर्ण युक्ति में विश्वास रखते हो। इस प्रकार आप अपने धन का थोड़ा बहुत अंश भी अपव्यय कर दिए तो परिणाम स्वरूप आपको धन का अभाव हो जाएगा। अतः कुछ भी बचत करना चाहिए। यदि आप अपने अतिरिक्त अपव्ययकारी आदतों का त्याग नहीं कर सकें तो आपके बैंक में यथेष्ठ धन जमा नहीं हो

सकेगा।

आपके लिए अनुकूल व्यवसाय इंजिनीयरिंग, कृषि कार्य, चर्मोउद्योग एवं तेल इंजिन का कार्य व्यवसाय आदि लाभकारी प्रतीत होता है। उपरोक्त व्यवसायों में अपनी अभिरूचि के अनुसार व्यवसाय का चयन कर सकते हैं। इन व्यवसायों में जिस व्यवसाय से आप संबंधित हैं उसे भी करते रहने से लाभ होगा। यदि आप अभिनय के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करें अथवा साहस करे तो यह कार्य भी अनुकूल हैं। वैसे स्वर्ण माइंस का कार्य अथवा स्वर्ण जेवरात बनाने का कार्य भी कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु कुछ वर्षो के बाद ऐसी आशंका है कि आप कुछ रोगों से आक्रांत हो सकते है। यथा ग्रंथि रोग एवं अनिंद्रा रोग का दुष्प्रभाव पड़ सकता है। अस्तु आपको पहले ही सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में लाभदायक एवं समय को अनुकूल बनाने वाला अंक 1, 2, 3, 4, 7 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक त्यागनीय है।

आपके लिए रंगों में सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुकूल नहीं हैं। स्पष्टतः आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी, एवं क्रीम रंग अनुकूल एवं मनभावन है।